

# छोटी उमर दि शादी



Bangani



# छोटी उमर दि शादी

Bangani  
uttarkashi, uttrakhand, india

For permission to reuse, contact the copyright holder.

Big book in Bangani language  
Community based Book

परकाशण:-

NLCI

बंगाणी मसी समिति समू

## दो बात

यह किताब बंगाणी भाषा में बनायी गयी है। इस किताब में एक कहानी है जिसे 10-12 पेजों में बनाया गया है और हर पेज में लगभग 2-3 वाक्य है। इस किताब में हर एक वाक्य के अनुसार चित्र भी डाला गया है। इन चित्रों के आधार से पढ़ने वाला कहानी बता सकता है और पढ़ाने वाला कहानी सुना सकता है। इस पुस्तक का उपयोग साक्षरता कार्यक्रम में किया जाता है। यह किताब बड़े ही आसान और बहुत ही कम शब्दों में और बहुत सरल रीति से बनायी गयी है। ताकी जो लोग पढ़ने की शुरूआती स्तर में हैं वह आसानी से इस कहानी को अपनी अपनी मातृ-भाषा में पढ़के आसानी से समझ सकें और अपनी मातृ-भाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास कर सकें।

॥धन्यवाद॥





एक गाउँ दि रोशनी नौऊँ री एक आठ  
साल री लौड़की आपड़े आमा पापा रै  
साथै रौयै थी। सै आपड़ी गुड़िया औज़ि  
सैलिउँ रै साथै खेलै थी। सै बौरी खुश  
रौयै थी।







एक दूस जौ सै खेलियो आपडै गौरै  
आइ, तै तियै गौरवाळै आपस माइं खास  
बुशै लान्दु बैरै देखै। तैबै रोशनी रौ  
पापाइ तीं आरी बोलौ कि तेरी शादी तय  
औइ गोइ, सै एशौ शुणियो बिलकुल  
शऽन औइ।



रोशन बौरी गौबराइ मौरी, तिंकै इबी  
शादी रौ मतलब बी ठीक कोइ पौतौ ना  
नौथि थौ। सै एशौ चायै थी कि आउँ  
आपड़ौ गौर औज़ि आपड़ै आमा-पापाइ  
छोड़ियौ केथिकै बी ना डेउ ली।







कुछ ई दूस बासियै शादी रौ दूस बी  
आइ गोऔ थौ। औज़ि गाउँ दि खुब  
डोल औज़ि डीजे रौयै थै बौज़दै लागी,  
तिउँ री आवाज़ शुणियौ रोशनी बौरी  
डौरियौन्दि थी।



जौ बिदाइ रौ बौक्त आओ तै रोशनी  
सिन्की सिन्कियौ लेरदी लागी। सै गाड़ी  
बी ज़बरदस्ती बोशाळी। औज़ि तिंरी  
सारी खुशी खतम उई। सै ऐबै औसै बी  
ना थी।







नौयै गौरेदि रोशनी एखुलिया मैसूस कौरै  
थी। तीं रातिकै हमेशाइ सौकाळी  
बिउजुणै जा थौ। सै राति बिउजियौ  
ओखेर मांजै थी औजि नाशतौ बी चाणै  
थी। औजि गौरै रै सारै काम जा  
थौ कौरणै।



सै अक्सर आपड़ी उमर री लौड़किउं  
इस्कूलकै डेन्दु औज़ि बाटेदि खेल्दु देखै  
थी, तिरौ रौ मन बी कौरै थौ। तिउरै  
साथै डेणे खि औज़ि पौड़नै लिखणे खि  
पर ऐबै सै केथिकै डेइ बी सौकै थी।







सै काफी दुसु ज़ौउं बुखिया बी रौइ  
औज़ि केती रातियै तिन्यै लेरियौ थौइ  
काटी। केत्रा केत्रा सै आपड़ै आमा  
पापाइ बी याद कौरै थी। एति छोटी  
उमर दि तिन्यै काफी दुख ज़ेलौ।



तीं शादी कौरियौ साल बी बिति गोइ थी  
पर रोशनी रि ज़िन्दगी दि कोइ बौदलाव  
ना आओ। सै हमेशाइ पौरेशान औज़ि  
उदास रौयै थी।







औज़ि सै छोट्टी उमर दि गौरकेड़ी बी उई  
गोइ थी। एज़ि बौज़ै कौइ सै बौरी  
कमज़ोर औज़ि खुन री कौमी बी ऊई  
गोइ थी। तिरौ रौ बौक्तेदि ईलाज़ बी ना  
कौराओ। एज़ि बौज़ै कौइ तिरि ज़ादा  
तौबियेत खौराब उई।



ਜ਼ੌ ਤਿਰੈ ਔਲਖਿਐ ਰੈ ਦੂਸ ਪੁਰੈ ਝਡ ਗੋਯੈ  
ਥੈ, ਤੈ ਤਿਓਂ ਸੈ ਔਸਪਤਾਲ ਦਿ ਗਿਣੀ, ਤੇਟਕੈ  
ਖੁਨ ਔਝਿ ਕਮਝੋਰੀ ਰੀ ਬੋਝੈ ਕੌਝ  
ਰੋਸ਼ਨੀ ਔਝਿ ਤਿਰੈ ਮਾਓਂ ਰੀ ਮੌਤ ਝਡ।



## For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.



यह किताब NLCI के द्वारा तैयार की गई है।

हम मात्रभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें।

और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मात्रभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मात्रभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मात्रभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मात्रभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मात्रभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....

